Literacy for a Billion

Movie: Muqaddar Ka Sikandar
Year: 1978

Song: O Sathi Re
Lyricist: Anjaan

ला ला हू हू...
ओ साथी रे
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
ओ साथी रे
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
फूलों में कलियों में
सपनों की गलियों में
फूलों में कलियों में
सपनों की गलियों में
तेरे बिना कुछ कहीं ना
तेरे बिना भी क्या जीना
ओ साथी रे
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
हर धड़कन में प्यास है तेरी
साँसों में तेरी खुशब है
इस धरती से उस अम्बर तक
मेरी नज़र में
तू ही तू है
प्यार ये टूटे ना

प्यार ये टूटे ना
तू मुझ से रूठेना
साथ ये छूटे कभी ना
तेरे बिना भी क्या जीना
ओ साथी रे
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
तुझ बिन जोगन मेरी रातें
तुझ बिन मेरे दिन बंजारे
मेरा जीवन जलती धूनी
बुझे बुझे मेरे सपने सारे
तेरे बिना मेरी
तेरे बिना मेरी
मेरे बिना तेरी
ये ज़िन्दगी ज़िन्दगी ना
तेरे बिना भी क्या जीना
ओ साथी रे
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना
तेरे बिना भी क्या जीना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.